

FORM NO. III

फर्द अहकाम

(नियम 25)

त उपखण्ड, जमिंदारी मुकाम नीमराना डाखर
 कृष्णाकुमार बनाम भगवान सिंह
 दमा धर्मना पत्र 212 नं० 149 सन् 1929

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर या तारीख
 अहकाम जो इस
 हुक्म की तामिल
 में जारी हुए

5.8-19 का पत्र पत्रावली मूल कापी लई
 लॉय पेवरा कुकी दस्त वाजिएट डी क्वीक
 कापी वापस अथवा वकील कापी वापस की वक्क
 सुनी गरी दलावेजों का कावकोम त्रिके
 वाया प्रथम इच्छता सेस काता ही-
 सुदिआ का संतुलन अधुनीसि भाई भाई
 का हीनगी जाली के पत्र में होना प्रोवेट
 होना ही कातः अधुनीसि के आगामी
 वादीक पेवरी तक कस्बाई त्रिके कात्रा
 चन्द्रोका से जालीके हिस्से तक फास
 निहालासत है कि के निहालासत आठ छत्र
 हाल 281, 325, 359, 720, 721, 1196, 1197,
 1241, 1259, 1028, 659, 396, 397, 1259, 852,
 1144, 490 वाजे भास आनन्दपुर वही नीराना
 निहालासत (पत्र) के मिक निहालासत की
 मन्ना एकेरी कागजे वही। वस धनंदा में
 जाली- उद्यु ही काप लई मन्ना
 काकिवन्ता होईव मन्ना काप काप
 जकाज पेवरा कही प्रतिवादीगण रैस्पोड
 जालीके नोर्टिस वलत ही पत्रावली
 वासि वलती दि० 18-9-19 के पेवरा ही

उपखण्ड अधिकारी
 नीमराना (अलमर) राज

मौखिक हुकम

दि. 20/05

माँग पत्रावली पेश हुई
 पत्रावली के अन्तर्गत नोटिस
 के लिये चेन्नुका है।
 प्रार्थना की है कि जज
 भी नोटिस देकर लिखें है
 कि प्रार्थना कर जाय कि
 नोटिस देकर में लिये
 लिखा जाय है पत्रावली
 जिसके अन्तर्गत चेन्नूका
 के साथ नोटिस पेश
 कि प्रार्थना कर जाय है

उपस्थित अधिकारी
 नीमलना (जो हकीम-करते)